विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 30 मई 2020

वर्ग सप्तम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

दिव्य वाणी द्वितीय: पाठ:

महान् वैज्ञानिक: आर्यभट:

शब्दार्थ याद कीजिए।

संस्कृत	हिन्दी	संस्कृत	हिंदी
तारकाः	तारा	अभवन्	हुए
दृश्यते	दृष्टिगत होते हैं	आसीत्	था
गणनाया	गणना का	इदं	यह
स्वीय केन्द्रोपरी	अपने केंद्र पर	सृष्टि	संसार
सृष्टि - निर्माणं	सृष्टि का निर्माण	स्वीय	अपने
तेषु	उनमें से	अपि	भी
प्रभृतयः	इत्यादि/प्रभृति	अस्माकं	हमलोगो का
परिभ्रमन्त	घूमते हुए	प्रस्तुतवान्	प्रस्तुत किया
अस्मिन्	इसमें	क्षेत्रं	क्षेत्र
परिभ्रमति	घूमती है		
यावत्	तक		
उपलभ्यते	उपलब्ध होता है		